24/7/2020

पाठ 5 अक्षरों का महत्व

कठिन शब्द

1 कल्पना
2 अनादि
3 पत्थरों
4 चित्र
5 सूर्य
6 अस्तित्व
7 मुश्किल
8 द्योतक
9 व्यक्त
10 वनस्पतियों
11. प्रागैतिहासिक
12 शुरुआत

पाठ - 5

शब्दार्थ

1 जरिए - माध्यम से

2 तादाद - संख्या

3 चहुँ ओर - चारों ओर

4 कौम - जाति

5 द्योतक - प्रतीक

6 आदिकाल - युग के शुरुआत का समय

7 सिलसिला - क्रम

8 प्रागैतिहासिक - इतिहास में वर्णित काल के पूर्व का समय

25/7/2023

पाठ - 5

प्रश्न अभ्यास (निबंध से)

प्र-1 पाठ में ऐसा क्यों कहा गया है कि अक्षरों के साथ-साथ एक नए युग की शुरुआत हुई?

उत्तर अक्षरों के ज्ञान के साथ एक नए युग की शुरुआत हुई क्योंकि अक्षरों की खोज से हम इतिहास को जान पाए। अक्षरों की खोज के बाद ही मनुष्य अपने विचारों को लिखकर रखने लगा। इस प्रकार, पीढ़ी के ज्ञान का इस्तेमाल दूसरी पीढ़ी करने लगी। अक्षरों की खोज मनुष्य को प्रगति के पथ पर ले गई।

प्र-2 अक्षरों की खोज का सिलसिला कब और कैसे शुरू हुआ? पाठ पढ़कर उत्तर लिखो।

उत्तर प्रागैतिहासिक मानव ने सबसे पहले चित्रों के जरिए अपने भावों को व्यक्त किया। जैसे पशुओं, पक्षियों आदमियों आदि के चित्र। इन चित्र-संकेतों के बाद भाव संकेत अस्तित्व में आए। जैसे एक छोटे वृत्त के चहुँ किरणों की द्योतक रेखाएँ खींचने पर वह सूर्य का चित्र बन जाता था। बाद में यही चित्र 'ताप' या धूप का द्योतक बन गया। तब जाकर बाद में आदमी ने अक्षरों की खोज की।

प्र-3 अक्षरों के ज्ञान से पहले मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज के इलाकों तक पहुँचाने के लिए किन-किन माध्यमों का सहारा लेता था?

उत्तर अक्षरों के ज्ञान से पूर्व मनुष्य अपनी बात को दूर-दराज के इलाकों तक पहुँचाने के लिए पशुओं, पक्षियों, आदमियों आदि के चित्र बनाकर भाव संकेतों का सहारा लेता था।

प्रश्नोत्तर (निबंध से आगे)

प्र.1 अक्षरों के महत्व की तरह ध्वनि के महत्व के की तरह ध्वनि के महत्व के बारे में जितना जानते हो, लिखो।

उत्तर 1 अक्षरों द्वारा लिखकर अपने भाव व्यक्त किए जाते हैं और ध्वनियों द्वारा बोलकर।

2. अक्षरों के बिना लिखा नहीं जा सकता और ध्वनियों के बिना बोलने की कल्पना नहीं की जा सकती।

3. कान से सुनी गई प्रत्येक आवाज ध्वनि कहलाती है। इसलिए अक्षरों के समान ही ध्वनियाँ महत्वपूर्ण हैं।

प्र.2 मौखिक भाषा का जीवन में क्या महत्व होता है?

उत्तर मौखिक भाषा का जीवन में विशेष महत्व होता है क्योंकि मौखिक भाषा के कारण ही हम अपने विचार एक-दूसरे तक आसानी से पहुँचा सकते हैं।

प्र.3 हर वैज्ञानिक खोज के साथ किसी न किसी वैज्ञानिक का नाम जुड़ा होता है लेकिन अक्षरों के साथ ऐसा नहीं है, क्यों?

उत्तर अक्षरों का विकास अनेक वर्षों के प्रयास एवं अभ्यास के फलस्वरूप हुआ। इसका किसी एक व्यक्ति ने आविष्कार नहीं किया। इसलिए इसके साथ किसी वैज्ञानिक का नाम नहीं जुड़ पाया।

18/8

अनुमान और कल्पना।

प्रश्न. पुराने जमाने में लोग यह क्यों सोचते थे कि अक्षर और भाषा की खोज ईश्वर ने की थी? अनुमान लगाओ और बताओ।

उत्तर. पुराने जमाने में लोग यह सोचते थे कि अक्षर और भाषा की खोज ईश्वर ने की थी क्योंकि उनके पास उसका इतिहास नहीं था। वे सोचते थे कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है, जो कुछ भी कर सकता है इसलिए इस धरती की प्रत्येक वस्तु उसी ने बनाई है। लोग जिस वस्तु के विषय में जानते नहीं थे, उसे ईश्वर की देन मान लेते थे।

प्र०२ क्या होता अगर –

क) हमारे पास अक्षर न होते – एवं भाषा न होती

उत्तर यदि हमारे पास अक्षर और भाषा न होती तो हम आज भी हजारों साल पहले वाली अँधेरी दुनिया में भटकते रहते। हम अपने भावों और विचारों को लिखकर व्यक्त न कर पाते। हम अपने पूर्वजों का ज्ञान कोष लिखित रुप में न पाते और ज्ञान एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक न पहुँच पाता अक्षरों के ज्ञान से मानव ने पढ़ना लिखना सीखा और सभ्य कहलाया। मानव के जीवन में गीत, नृत्य और कला का भी बहुत महत्व है ये हमारे जीवन में नीरसता समाप्त कर सरसता लाते हैं जिससे हमें जीने की प्रेरणा मिलती है

भाषा की बात

1 अनादि काल में रेखांकित शब्द का अर्थ होता है जिसकी कोई शुरुआत या आदि न हो। यह शब्द मूल शब्द के शुरू में कुछ जोड़ने से बना है। इसे उपसर्ग कहते हैं। इन उपसर्गों को अलग करके मूल शब्दों को लिखकर अर्थ समझो।

उपसर्गयुक्त शब्द	मूल शब्द
असफल	सफल
अदृश्य	दृश्य
अनुचित	उचित
अनावश्यक	आवश्यक
अपरिचित	परिचित
अनिच्छा	इच्छा

2. तीन जग पानी

एक किलो चीनी

यहाँ रेखांकित हिस्से परिमाणवाचक विशेषण हैं क्योंकि इनका संबंध मापतौल से है। अब आगे लिए हुए को पढ़ो खाली स्थानों में मापतौल उचित शब्द छाँटकर लिखो.

1 तीन कटोरी खीर

दो एकड़ ज़मीन

2 छह मीटर कपड़ा

एक ट्रक रेत

दो प्याला कॉफ़ी

पाँच किलो बाजरा

एक लीटर दूध

तीन लीटर तेल